RNA : Real News Analysis

# DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
जुलाई
16
2025

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

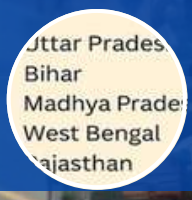

By Ankit Avasthi Sir

# भारत में कॉरपोरेट निवेश में मंदी / Slowdown in corporate investment in India

**संदर्भ:**

भारत की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर घटकर सिर्फ **1.2%** रह गई है, जो कि पिछले नौ महीनों का सबसे निचला स्तर है। यह गिरावट कॉरपोरेट निवेश की सुस्ती और **औद्योगिक** गतिविधियों में मंदी को लेकर चिंता बढ़ा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह संकेत भारत की आर्थिक पुनरुद्धार गति में संभावित रुकावट का प्रतीक हो सकता है।

## भारत में कॉरपोरेट निवेश में मंदी के प्रमुख कारण-

### 1. कमजोर उपभोक्ता मांग:

- मांग की कमी के कारण कंपनियां नए निवेश से बच रही हैं, भले ही मुनाफा और कर राहत मिली हो।
- 2019 में कॉरपोरेट टैक्स कटौती (30% से 22%) के बावजूद FY20–FY23 में निजी निवेश में केवल 35% वृद्धि (मशीनरी और बौद्धिक संपदा में), जैसा कि आर्थिक सर्वेक्षण 2024–25 में उल्लेख किया गया।

### 2. अधिशेष औद्योगिक क्षमता:

- **COVID के बाद** कई फैक्ट्रियाँ पूरी क्षमता से नहीं चल रही हैं।
- **कम उत्पादन उपयोग दर** के कारण कंपनियाँ नई उत्पादन इकाइयों में निवेश करने से बच रही हैं।
- ब्याज दरें कम होने और तरलता अधिक होने के बावजूद **मांग की अनिश्चितता** निवेश को हतोत्साहित करती है।

### 3. मुनाफा-निवेश संबंध की गलतफहमी:

- सामान्य धारणा: "**मुनाफा बढ़ेगा तो निवेश बढ़ेगा**।"
- मिखाइल कालेकी के अनुसार: "निवेश मुनाफे को तय करता है, न कि मुनाफा निवेश को।"
- जब तक मांग में पुनरुद्धार नहीं होगा, तब तक कंपनियां मुनाफे के बावजूद निवेश नहीं करेंगी क्योंकि रिटर्न की अनिश्चितता बनी रहती है।

**4. वैश्विक व्यापार में प्रतिकूल परिस्थितियां:** वैश्विक स्तर पर संरक्षणवादी नीतियों, जिनमें अमेरिका जैसे प्रमुख बाजारों में टैरिफ व्यवस्थाएं शामिल हैं, ने निर्यात-आधारित निवेश अवसरों को कमजोर कर दिया है।

## भारत में निवेश बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए प्रमुख कदम

### उद्योग और नवाचार को बढ़ावा देने के उपाय

- **Make in India**: घरेलू निर्माण और विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए।
- **Startup India**: नवाचार, उद्यमिता और स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने हेतु।

### बुनियादी ढांचा और लॉजिस्टिक्स सुधार

- PM GatiShakti Yojana:
- National Industrial Corridor Programme (NICDP)

**उत्पादन और निर्यात बढ़ाने के उपाय: PLI Schemes (उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाएं)**: विशिष्ट क्षेत्रों में घरेलू उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए।

### व्यापार सुविधा और नियामक सुधार

- **Ease of Doing Business (EoDB) Reforms**: लाइसेंस, निरीक्षण, और अनुपालन प्रक्रियाओं को सरल बनाना।
- **National Single Window System (NSWS)**: सभी मंजूरी और निवेश सुविधा को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाना।
- **India Industrial Land Bank (IILB)**: निवेशकों के लिए देशभर में औद्योगिक भूमि की जानकारी देना।

### प्रोजेक्ट कार्यान्वयन और निगरानी

- **Project Monitoring Group**: अटके हुए बड़े निवेश परियोजनाओं को मंजूरी दिलाने के लिए।
- **Project Development Cells (PDCs)**: सभी मंत्रालयों में निवेश प्रस्तावों की सुविधा और समर्थन हेतु समर्पित सेल।

### प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) को प्रोत्साहन

- **90% से अधिक FDI** स्वचालित मार्ग के अंतर्गत आता है – कोई पूर्व सरकारी मंजूरी नहीं चाहिए।
- **अधिकांश क्षेत्र 100% FDI** के लिए खुले हैं, केवल कुछ रणनीतिक क्षेत्रों को छोड़कर।

## आगे की राह (Way Forward):

- **मांग को बढ़ावा देना:** सरकार को गरीब और मध्यम वर्ग के लिए लक्षित कल्याण योजनाओं और रोजगार गारंटी के माध्यम से आय सहायता पर ध्यान देना चाहिए, जिससे खपत बढ़ेगी और निजी निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा।
- **पूंजीगत व्यय का प्रभाव बढ़ाना:** सार्वजनिक निवेश को श्रम-प्रधान, स्थानीय संसाधनों पर आधारित और आयात पर निर्भरता घटाने वाला होना चाहिए ताकि घरेलू मांग बढ़े और निजी क्षेत्र के निवेश को बल मिले।

# भारत में दहेज मृत्यु / Dowry Deaths in India

**संदर्भ:**

कानूनी रूप से प्रतिबंधित होने के बावजूद **दहेज प्रथा और इससे जुड़ी हिंसा** आज भी भारत में व्यापक रूप से जारी है। हाल ही में सामने आए **दर्जनों मामले**—जिनमें **यातना**, **आत्महत्या** और **हत्या** तक शामिल हैं—यह दर्शाते हैं कि **निवारण, जांच और अभियोजन प्रणाली** में **गंभीर खामियाँ** बनी हुई हैं। यह स्थिति भारत में **लैंगिक न्याय और सामाजिक सुधार** के प्रयासों को एक बार फिर कठघरे में खड़ा करती है।

## दहेज के बारे में जानकारी

**दहेज की परिभाषा (Dowry Definition):** **दहेज निषेध अधिनियम, 1961** के अनुसार: "किसी भी संपत्ति या बहुमूल्य वस्तु का विवाह में, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, एक पक्ष द्वारा दूसरे पक्ष को, या उसके माता-पिता या किसी अन्य व्यक्ति को दिया जाना या देने का वादा करना दहेज कहलाता है।"

**समस्या की गंभीरता:**

- **दहेज संबंधित हिंसा और मृत्यु** भारत में गहराई से जड़ जमा चुके पितृसत्तात्मक सोच का परिणाम है।
- यह **लैंगिक आधार पर होने वाले अपराधों** का सबसे पुराना और गंभीर रूप है।

**दहेज उत्पीड़न के सामान्य रूप:**

- मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना
- आत्महत्या, हत्या (जैसे जलाना, जहर देना, या फांसी लगाना)
- विवाह के बाद संपत्ति या पैसा लाने के लिए लगातार दबाव

**कानूनी उपाय:**

- **दहेज निषेध अधिनियम, 1961** के तहत दहेज लेना, देना या मांगना **दंडनीय अपराध** है।
- दोष सिद्ध होने पर **कम से कम 5 वर्ष की सजा** और जुर्माना लगाया जा सकता है।

**सामाजिक दृष्टिकोण:**

- यह केवल कानूनी नहीं, बल्कि **सामाजिक सुधार का भी मुद्दा** है।
- **महिलाओं की गरिमा, आत्मनिर्भरता और अधिकारों** की रक्षा हेतु जन-जागरूकता और सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

## भारत में दहेज हत्या: स्थिति और आंकड़े:

**दहेज हत्या के आंकड़े (NCRB 2022 अनुसार)**

- **कुल दर्ज मामले:** 6,450 दहेज हत्याएं भारत में दर्ज की गईं।
- **80% मामले केवल 7 राज्यों से आए:** उत्तर प्रदेश (सबसे अधिक), बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान, हरियाणा

**राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) – 2024 के आंकड़े**

- **कुल शिकायतें:** दहेज उत्पीड़न की 4,383 शिकायतें (सभी शिकायतों का 17%)
- **दहेज हत्या की शिकायतें:** 292 मामले दर्ज
- **राज्यवार दहेज हत्या का बोझ:**
  - **60% से अधिक दहेज हत्याएं** - पश्चिम बंगाल, ओडिशा और बिहार से

**शहरों में दहेज हत्या**

- **दिल्ली:** अकेले 19 बड़े शहरों में दर्ज **कुल मामलों का 30%**
- **अन्य उच्च रिपोर्टिंग वाले शहर:** कानपुर, बेंगलुरु, लखनऊ, पटना

| | |
|---|---|
| Uttar Pradesh | 2,218 |
| Bihar | 1,057 |
| Madhya Pradesh | 518 |
| West Bengal | 472 |
| Rajasthan | 320+ |

**भारत में दहेज हत्याओं के पीछे मुख्य कारण-**

**1. सांस्कृतिक स्वीकृति:** दहेज आज भी कई समुदायों में परंपरा और सामाजिक अपेक्षा के रूप में देखा जाता है, विशेषकर अरेंज मैरिज में।

**2. आर्थिक शोषण:** वर पक्ष दहेज को आर्थिक लाभ या सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त करने का माध्यम बनाते हैं।

**3. लैंगिक असमानता (Gender Inequality)**

- बेटियों को अब भी **आर्थिक बोझ** माना जाता है, जिससे उन्हें दहेज की मांगों का सामना करना पड़ता है।
- **दहेज न मिलने पर शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न** होता है, जो हत्या या आत्महत्या तक पहुंचता है।

**4. लिंगानुपात असंतुलन:** जिन जिलों में **स्त्री-पुरुष अनुपात असंतुलित** है, वहां दहेज हत्या के मामले अधिक देखे गए हैं।

**5. अशिक्षा और जागरूकता की कमी:** **कानूनी अधिकारों की जानकारी का अभाव**, और **प्रतिक्रिया का डर**, महिलाओं को चुप रहने पर मजबूर करता है।

**6. न्याय में देरी:** **पुलिस जांच धीमी**, और **दोष सिद्धि दर कम** होने से अपराधियों को दंड मिलने की संभावना कम हो जाती है, जिससे अपराध बढ़ते हैं।

**7. जातीय व सामाजिक संरचनाएं:** **हाइपरगैमी** (नीचे से ऊपर विवाह) और पितृसत्तात्मक समाज में महिलाओं पर अधिक दहेज का दबाव रहता है।

**निष्कर्ष:** दहेज हत्याएं सामाजिक कुप्रथा, आर्थिक लालच और लैंगिक भेदभाव का त्रिकोणीय परिणाम हैं।

- इसके समाधान के लिए शिक्षा, सशक्तिकरण, तेज न्याय प्रणाली और सामाजिक जागरूकता जरूरी है।

# वैज्ञानिकों ने फेरोमोन की खोज की जो टिड्डियों के झुंड का कारण बनता है / Scientists Find Pheromone that Causes Locusts to Swarm

**संदर्भ:**

चीन के वैज्ञानिकों ने **टिड्डियों के झुंड** बनने की प्रक्रिया को नियंत्रित करने का एक नया तरीका खोजा है, जिसमें उनकी **फेरोमोन प्रणाली (गंध संकेतों)** में बदलाव करके उनके समूह व्यवहार को रोका जा सकता है। यह खोज पर्यावरण के अनुकूल टिड्डी नियंत्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति मानी जा रही है, जिससे कीटनाशकों पर निर्भरता घटेगी और फसल सुरक्षा के लिए स्थायी समाधान मिल सकेगा।

## टिड्डियों (Locusts) के प्रकोप: मुख्य तथ्य

- टिड्डियों के झुंड (locust swarms) ऐतिहासिक रूप से **कृषि को भारी नुकसान** पहुंचाते रहे हैं।
- ये कीट **सामूहिक रूप से हजारों हेक्टेयर फसलों** को कुछ ही दिनों में चट कर जाते हैं।

## महत्वपूर्ण घटनाक्रम:

- **2019–2020 में पूर्वी अफ्रीका, पाकिस्तान और भारत** में टिड्डियों का हमला **25 वर्षों में सबसे भयावह** था।
- इसने फसलों की भारी बर्बादी की और किसानों की आजीविका पर संकट खड़ा कर दिया।

## परंपरागत नियंत्रण विधियां:

- आमतौर पर **सिंथेटिक कीटनाशकों (pesticides)** का उपयोग किया जाता है।
- ये रसायन न केवल टिड्डियों को मारते हैं, बल्कि **मिट्टी की उर्वरता, पर्यावरण और खाद्य सुरक्षा** को भी नुकसान पहुंचाते हैं।

## वर्तमान चुनौतियाँ और शोध दिशा:

- **पर्यावरण-अनुकूल (eco-friendly) विकल्पों** की तलाश जारी है।
- जैविक कीटनाशकों, फसल विविधता, और प्राकृतिक शत्रुओं के उपयोग जैसे उपायों पर शोध हो रहा है।

## ग्रेगेरियसनेस बिहेवियर: टिड्डियों में सामाजिक झुकाव

**परिभाषा:** ग्रेगेरियसनेस एक सामाजिक व्यवहार है, जिसमें कई जानवर, पक्षी और कीट (जैसे टिड्डी) बड़ी संख्या में संगठित होकर सहयोग करते हैं और प्रतिस्पर्धा के बजाय मिलकर जीवित रहने की रणनीति अपनाते हैं।

**टिड्डियों में व्यवहार:** टिड्डियाँ जब एक साथ झुंड में चलती हैं, तो वे खेतों को नष्ट करने की भयावह क्षमता रखती हैं। यह व्यवहार उनके बीच एक रासायनिक संचार (chemical signaling) के कारण होता है।

## 4-विनायलऐनिसोल (4VA):

- यह एक **फेरोमोन** है – यानी ऐसा रसायन जिसे टिड्डियाँ बाहर निकालती हैं और जो उनकी ही प्रजाति के अन्य सदस्यों में सामाजिक प्रतिक्रिया पैदा करता है।
- 2020 में वैज्ञानिकों ने पाया कि जब टिड्डी भोजन करती है, तो वह अपने **पिछले पैरों से बड़ी मात्रा में 4VA** छोड़ती है।
- यह हवा में फैलकर अन्य टिड्डियों को आकर्षित करता है।

## झुंड बनाने की प्रक्रिया:

1. 4VA फैलते ही आस-पास की टिड्डियाँ एकत्र होने लगती हैं।
2. वे आपस में **पैर रगड़ती हैं** (hind leg rubbing)।
3. इससे उनके शरीर में **सेरोटोनिन** नामक न्यूरोट्रांसमीटर रिलीज़ होता है, जो **झुंड बनने (swarming)** की प्रक्रिया को ट्रिगर करता है।

## टिड्डी नियंत्रण के लिए प्रस्तावित पाँच-चरणीय रणनीति-

वैज्ञानिकों ने **4-vinylanisole (4VA)** फेरोमोन के उपयोग को आधार बनाकर एक प्रभावशाली और पर्यावरण-अनुकूल रणनीति प्रस्तावित की है।

**1. फेरोमोन ट्रैपिंग: 4VA या उसके कृत्रिम विकल्पों** का उपयोग कर टिड्डियों को एक निर्दिष्ट क्षेत्र (trapping area) में आकर्षित किया जाएगा।

- वहां **फंगल रोगाणु (fungal pathogens)** या सीमित मात्रा में **कीटनाशक** का प्रयोग करके उन्हें खत्म किया जाएगा।

**2. झुंड बनने से रोकना (Anti-Aggregation):** 4VA को रणनीतिक रूप से फैलाकर टिड्डियों को आपस में एकत्रित होने से रोका जाएगा।

- यह **ग्रेगेरियसनेस बिहेवियर** को बाधित करेगा, जिससे टिड्डी झुंड नहीं बना पाएंगे।

**3. निगरानी और चेतावनी (Monitoring): 4VA की उपस्थिति** को ट्रैक करके टिड्डियों की **आबादी की गतिशीलता (population dynamics)** पर नजर रखी जा सकेगी।

- इससे संभावित हमलों की **पूर्व चेतावनी** मिल सकेगी।

**4. जीन-संशोधित टिड्डियों का प्रयोग: Genetically Modified (GM) टिड्डियों** को खेतों में छोड़कर ऐसी आबादी तैयार की जाएगी जो **गैर-झुंड प्रवृत्ति (non-gregarious)** वाली हो।

- इससे भविष्य में झुंड बनने की प्रवृत्ति को कमजोर किया जा सकेगा।

**5. संयुक्त रणनीति: छोटे अणु नियामकों (small-molecule regulators)** और **जैविक कीटनाशकों (biopesticides)** का संयुक्त रूप से उपयोग किया जाएगा।

- यह रासायनिक व जैविक नियंत्रण का संतुलित तरीका होगा, जिससे **प्रभावी लेकिन पर्यावरण-सम्मत नियंत्रण** सुनिश्चित होगा।

# काजीरंगा में पहली घासस्थल पक्षी गणना में 43 प्रजातियाँ दर्ज की गईं / Kaziranga Records 43 Species in First Grassland Bird Census

**संदर्भ:**

असम के **काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व (KNPTR)** में पहली बार कराई गई **ग्रासलैंड पक्षी गणना** में कुल **43 प्रजातियों** की पहचान की गई है। यह सर्वेक्षण दर्शाता है कि काजीरंगा भारत में **घासभूमि पक्षियों की विविधता का एक प्रमुख केंद्र** है।

## काजीरंगा घासभूमि पक्षी जनगणना 2025: प्रमुख निष्कर्ष

**वन्य आवास विश्लेषण (Habitat Analysis):**

- पक्षियों की उपस्थिति विभिन्न प्रकार की घासभूमियों में देखी गई।
- **ऊँची और आर्द्र घासभूमियाँ** (Tall, wet grasslands) सबसे अधिक पक्षी प्रजातियों को आश्रय देती हैं – जिनमें कई संकटग्रस्त (threatened) प्रजातियाँ भी शामिल हैं।
- अन्य महत्त्वपूर्ण आवास:
  - सामान्य ऊँची घासभूमियाँ
  - खुला क्षेत्र/छोटी घास वाली भूमि
  - झाड़ीदार घासभूमियाँ (scrub grasslands)

**पारिस्थितिक स्थिति:** प्रजातियों की विविधता और प्रचुरता यह दर्शाती है कि **काजीरंगा की घासभूमि पारिस्थितिकी** अत्यंत स्वस्थ है।

**विशेष खोज: Finn's Weaver कॉलोनी**

- **Finn's Weaver (Ploceus megarhynchus)** की एक **प्रजनन कॉलोनी** दर्ज की गई, जिसे असमिया में *"तुकुरा सोराई"* कहा जाता है।
- यह **बेहतर घोंसला बनाने वाला** (master nest-builder) पक्षी है और घासभूमि की पारिस्थितिकीय गुणवत्ता का सूचक माना जाता है।
- कई पक्षी प्रेमियों के लिए यह एक **"LIFER"** (पहली बार देखी गई प्रजाति) भी थी।

**केंद्रीय प्रजातियाँ (Focal Species):** इस जनगणना में निम्नलिखित 10 प्रमुख प्रजातियों पर विशेष ध्यान दिया गया, जो ब्रह्मपुत्र बाढ़भूमि से जुड़े और संकटग्रस्त माने जाते हैं:

- **गंभीर रूप से संकटग्रस्त (Critically Endangered):** **बंगाल फ्लोरिकन** (Bengal Florican)

**संकटग्रस्त (Endangered):**

- **Swamp Grass Babbler**, **Finn's Weaver**

**अतिसंवेदनशील (Vulnerable):** Swamp Francolin, Jerdon's Babbler, Slender-billed Babbler, Black-breasted Parrotbill, Marsh Babbler, Bristled Grassbird

**निकट संकटग्रस्त (Near Threatened):** Indian Grassbird

## काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व:

**स्थान और पारिस्थितिकी तंत्र:**

- असम में **ब्रह्मपुत्र नदी** और **करबी (मिकिर) पहाड़ियों** के बीच स्थित।
- विविध पारिस्थितिक तंत्र – **ऊँची घासभूमियाँ, वनभूमियाँ और आर्द्रभूमियाँ**।

**प्रमुख मान्यता और स्थिति:**

- **राष्ट्रीय उद्यान** घोषित: 1974
- **टाइगर रिजर्व** घोषित: 2007
- **UNESCO विश्व धरोहर स्थल**: 1985
- **Important Bird Area (IBA)**: BirdLife International द्वारा

**महत्त्वपूर्ण जीव (Major Fauna):**

प्रसिद्ध **"Big Four"**:

- **भारतीय एक-सींग वाला गैंडा** – वैश्विक आबादी का दो-तिहाई हिस्सा यहीं पाया जाता है (2022 में कुल 2,613 गिनती)।
- **रॉयल बंगाल टाइगर**
- **हाथी**
- **एशियाई जल भैंसा**

**अन्य महत्त्वपूर्ण प्रजातियाँ:**

- **स्वैम्प डियर**, **हॉग डियर**, **गौर**, **तेंदुआ**, **फिशिंग कैट**, **लैसर बिल्लियाँ**
- **वेस्टर्न हूलॉक गिबन** – *भारत की एकमात्र वानर प्रजाति*, संकटग्रस्त

**पक्षियों की विविधता:** लगभग **478 प्रजातियाँ** – स्थायी और प्रवासी दोनों **गंभीर रूप से संकटग्रस्त बंगाल फ्लोरिकन** का निवास स्थान

**प्रवासी पक्षियों के लिए महत्त्व:** काजीरंगा **ऑस्ट्रेलिया–इंडो-एशिया प्रवासी मार्ग** के संगम पर स्थित है, जिससे यह एक **महत्त्वपूर्ण प्रवासी पक्षी क्षेत्र** बनता है।

**प्रमुख वनस्पति (Major Flora):**

- **घनी और ऊँची हाथी घास** (Elephant Grass) से आच्छादित क्षेत्र
- अन्य पौधे:
  - **स्वैम्पलैंड्स**
  - **कमल**, **जलकुंभी**, **वॉटर लिली**
  - **रट्टन केन** – एक चढ़ने वाला पाम पौधा

## मछलीपट्टनम / Machilipatnam

**संदर्भ:**

**मछलीपट्टनम (या मसीलीपट्टनम)** – आंध्र प्रदेश का एक **ऐतिहासिक बंदरगाही शहर** – अब एक बार फिर **पुनरुद्धार की राह** पर है। कभी प्राचीन अंतरराष्ट्रीय व्यापार का केंद्र रहा यह नगर अब **नई बंदरगाह परियोजनाओं**, **आधुनिक बुनियादी ढांचे**, और **विकास योजनाओं** के ज़रिए फिर से जीवंत हो रहा है।

**प्राचीन भारत में मछलीपट्टनम (Machilipatnam / Masulipatnam): एक ऐतिहासिक बंदरगाह नगर**

**स्थान:** मछलीपट्टनम, आंध्र प्रदेश में कृष्णा नदी के मुहाने पर स्थित है, जो बंगाल की खाड़ी से मिलता है।

**प्रारंभिक समुद्री महत्व:**

- **प्राचीन नाम:** *मसूलीपट्टनम* या *मैसोला* (Maisolos) – *Periplus of the Erythraean Sea* (1st century CE) में उल्लेख।
- **स्थान:** *कोरोमंडल तट* पर एक प्रमुख समुद्री बंदरगाह।
- **व्यापारिक कनेक्शन:**
  - रोमनों, अरबों, और दक्षिण-पूर्व एशियाई व्यापारियों से सीधा संपर्क।
  - **दक्षिण भारत का प्रवेश द्वार** (Gateway to the Deccan) के रूप में कार्य करता था।

**सातवाहन काल (1st BCE – 3rd CE):**

- **सातवाहन शासकों** के अधीन यह बंदरगाह प्रमुख व्यापारिक केंद्र बना।
- **निर्यात सामग्री:**
  - *मसलिन वस्त्र, मसाले, मोती,* और *कपड़े*
- **भीतरूनी संपर्क:**
  - *अमरावती* और *धरणीकोटा* जैसे प्रमुख बौद्ध और व्यापारिक नगरों से जुड़ा हुआ था।

**मध्यकालीन और औपनिवेशिक पुनरुत्थान (16वीं – 18वीं सदी):**

- **गोलकोंडा सल्तनत** के अधीन यह बंदरगाह फिर से सक्रिय हुआ।
- **विदेशी व्यापारिक कंपनियाँ:**
  - डच, ब्रिटिश और फ्रेंच ईस्ट इंडिया कंपनियाँ यहाँ व्यापारिक केंद्र स्थापित करने लगीं।
- **18वीं सदी में बदलाव:** अंग्रेजों ने *मद्रास (चेन्नई)* को प्राथमिकता दी, जिससे *मछलीपट्टनम का महत्व कम हो*

## प्रधानमंत्री दिव्याशा केंद्र / PMDK

**संदर्भ:**

भारत सरकार के **सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय** द्वारा **उत्तर प्रदेश** में **75वें प्रधानमंत्री दिव्यांश केंद्र (PMDK)** का उद्घाटन किया जाने वाला है। यह पहल **दिव्यांगजनों को सहायता उपकरण**, **पुनर्वास सेवाएं** और **सामाजिक समावेशन** सुनिश्चित करने की दिशा में एक **महत्वपूर्ण कदम** है। इस केंद्र के माध्यम से सरकार का उद्देश्य **समावेशी विकास** को बढ़ावा देना और **दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाना** है।

**प्रधानमंत्री दिव्याशा केंद्र (PMDK): एकीकृत पुनर्वास और सहायता सेवाओं की अनूठी पहल**

**परिचय (About PMDK):**

- **पूरा नाम:** *प्रधानमंत्री दिव्याशा केंद्र (PMDK)*
- **उद्देश्य:** *दिव्यांगजन* और *वृद्धजनों* को **एक ही छत के नीचे** मूल्यांकन, परामर्श, सहायक उपकरण वितरण और वितरण के बाद देखभाल जैसी **एकीकृत सेवाएं** प्रदान करना।
- **संचालन की स्थिति:** देश भर में **75 PMDK केंद्र** अब तक संचालित किए जा चुके हैं।

**क्रियान्वयन और प्रशासन:**

- **नोडल मंत्रालय:** *सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय*
- **क्रियान्वयन एजेंसी:** *ALIMCO* (Artificial Limbs Manufacturing Corporation of India) यह एक *केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (CPSE)* है।

**लाभार्थी वर्ग (Target Groups):**

1. **दिव्यांगजन (PwDs):** *Rights of Persons with Disabilities Act, 2016* के तहत चिन्हित पात्र व्यक्ति।
2. **वरिष्ठ नागरिक:** विशेष रूप से *आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS)* से संबंधित बुजुर्ग जो गतिशीलता या इंद्रिय समर्थन की आवश्यकता रखते हैं।

**प्रमुख सेवाएं (Integrated Services Offered):**

- मूल्यांकन और परीक्षण (Assessment & Evaluation)
- काउंसलिंग और मार्गदर्शन
- सहायक उपकरणों का वितरण (Mobility/Sensory Aids)
- वितरण के बाद की देखभाल और अनुवर्ती सहायता (Post-distribution care)
- पुनर्वास सेवाएं (Rehabilitation Services)

## SDG भारत सूचकांक 2023–24 / SDG India Index 2023–24

**संदर्भ:**

**उत्तर-पूर्वी भारत** ने **सतत विकास लक्ष्यों (SDGs)** की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है, जिसे हाल ही में जारी **NER SDG इंडेक्स** में रेखांकित किया गया है। यह सूचकांक **नीति आयोग** और **संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP)** के सहयोग से तैयार किया गया है।

### SDG India Index 2023–24 (पूर्वोत्तर भारत केंद्रित रिपोर्ट)

#### परिचय:

- **विकासकर्ता:** NITI Aayog द्वारा संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) की दिशा में भारत की प्रगति को मापने हेतु बनाया गया एक प्रमुख उपकरण।
- **District SDG Index 2023–24:**
  - NITI Aayog, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के विकास मंत्रालय (MoDoNER) और UNDP द्वारा संयुक्त रूप से जारी।
  - **121 जिलों** का मूल्यांकन किया गया (8 पूर्वोत्तर राज्यों से)।
  - 17 में से **15 SDGs** पर प्रदर्शन आँका गया।

#### उद्देश्य और महत्व:

- **SDG लोकलाइजेशन में सहायता:** राज्यों को उनके विकास कार्यक्रमों को SDG लक्ष्यों से जोड़ने में मार्गदर्शन।
- **प्रदर्शन मापदंड:** SDG लक्ष्य प्राप्ति में गैप की पहचान और प्राथमिकता निर्धारण में सहायक।

#### कुल प्रदर्शन (Overall Performance):

- **Front Runner** की श्रेणी प्राप्त करने वाले जिले: मिजोरम, सिक्किम और त्रिपुरा के **सभी जिले** इस श्रेणी में।
- **शीर्ष जिला:** हनहथियाल (Hnahthial), मिजोरम।
- **Front Runner जिलों का अनुपात:** 2021-22 में **62%** → 2023-24 में **85%**
- **प्रमुख क्षेत्रों में सुधार:** गरीबी उन्मूलन, भूखमुक्ति, स्वास्थ्य, शिक्षा, लैंगिक समानता, स्वच्छ जल और स्वच्छता।

#### सरकारी योजनाओं का योगदान:

- जल जीवन मिशन
- स्वच्छ भारत मिशन
- Aspirational Districts Programme इन योजनाओं ने समग्र प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

#### राज्यवार रुझान (State-Level Trends):

- **शीर्ष 10 जिलों में योगदान:**
  - मिजोरम – 3 जिले
  - त्रिपुरा – 3 जिले
  - नागालैंड – 3 जिले
  - सिक्किम – 1 जिला

## तनिमबार द्वीप समूह / Tanimbar Islands

**संदर्भ:**

हाल ही में **इंडोनेशिया के तनीमबार द्वीपसमूह** के पास **6.7 तीव्रता का भूकंप** आया है। यह झटका **रिक्टर स्केल पर तेज़** दर्ज किया गया, जिससे क्षेत्र में **भूकंपीय गतिविधियों की सक्रियता** फिर से उजागर हुई है। हालांकि अभी तक **किसी बड़े नुकसान या सुनामी की चेतावनी** की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन **स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीमें** स्थिति पर करीबी नजर बनाए हुए हैं।

### Tanimbar Islands: प्रमुख तथ्य

#### स्थान और भौगोलिक स्थिति:

- **देश:** इंडोनेशिया का हिस्सा
- **समूह:** *Nine Major Lesser Sunda Islands* में से एक
- **प्रांत:** *दक्षिण-पूर्व मालुकु (Maluku)*
- **समुद्री क्षेत्र:** *Lesser Sunda Islands* जिसे *Nusa Tenggara Islands* भी कहा जाता है।

#### Lesser Sunda Islands का व्यापक परिचय:

- इंडोनेशिया का एक द्वीप समूह, *Wallacea क्षेत्र* में स्थित (Bali को छोड़कर)।
- *Wallace Line* के पूर्व में स्थित क्षेत्र जैव विविधता के लिहाज से विशिष्ट है।
- बाली द्वीप *Sunda Shelf* में आता है और Wallace Line के पश्चिम में है।

#### भूगोल और संरचना:

- **कुल द्वीप:** लगभग **65 द्वीपों** का समूह
- **कुल क्षेत्रफल:** लगभग **5,440 वर्ग किमी**
- **सबसे बड़ा द्वीप:** *Yamdena*

#### भूकंपीय क्षेत्र (Seismic Zone):

- **स्थिति:** *Pacific Ring of Fire* पर स्थित
- यह क्षेत्र टेक्टोनिक प्लेटों की संगम स्थली है, जिससे यहाँ अक्सर: **भूकंप** (Earthquakes). **ज्वालामुखी विस्फोट** (Volcanic eruptions) होते हैं।

#### महत्व:

- जैव विविधता, समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र और भूकंपीय अध्ययन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण।
- *Tanimbar Islands* हाल के वर्षों में **भूकंप गतिविधियों** के कारण भी सुर्खियों में रहे हैं।

Pathshala
SCIENCE BOOK
FREE
Latest Edition
सामान्य अध्ययन
(General Studies)
Pathshala
जनरल साइंस &
टेक्नोलॉजी
एक दिवसीय
परीक्षाओं के लिए
Ankit Kumar Avasthi
बुक की ख़रीद पर पाएं
100%
CASHBACK
BUY NOW FROM
APNI PATHSHALA APP.
पहले 7 दिन की बुकिंग पर बुक बिलकुल फ्री

# GS FOUNDATION For

## UPSC & STATE PSC

- ECONOMY
- POLITY
- HISTORY
- GEOGRPHY

1500X4 ~~6000/-~~

# ₹4500/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY 1 YEAR

# GS FOUNDATION *For*

## UPSC & STATE PSC

IF ANYONE INTRESTED IN ONLY

# HISTORY

FEE ~~₹ 2000/-~~

# ₹1499/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY **1 YEAR**

# GS FOUNDATION *For*

## UPSC & STATE PSC

IF ANYONE INTRESTED IN ONLY

# ECONOMY

FEE ~~₹ 2000/-~~

# ₹1499/-

- DAILY LIVE CLASSES
- WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTICE PROBLEM

COURSE VALIDITY **1 YEAR**

जानिए
भारतीय संविधान
CONSTITUTION
OF
INDIA
मात्र
1499/-Year
Enroll Now !
1 year
validity

# GS FOUNDATION

Hand Written Notes

Pathshala | AI

BEST OFFER
1999Rs

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Bilingual

By Ankit Avasthi Sir

# UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,

## और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

# MONTHLY MAGAZINE

FREE!

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

Billingual

ANKIT AVASTHI SIR

# RAS FOUNDATION

## HAND WRITTEN NOTES

अधिक जानकारी के लिए दिए
गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

BEST OFFER
4500 Rs

By Ankit Avasthi Sir

FUNDAMENTALS OF
STOCK MARKET
LEARN HOW TO TRADE
BBK
COUPON CODE
ANKIT500
Course fee
₹1999/-
Course fee
₹1499/-
Special
OFFER ON
Father's
DAY
INVESTMENT की करो जीरो से शुरुआत

# FOUNDATION COURSE OF MUTUAL FUND

COUPON CODE
ANKIT500

Invest in Knowledge Grow Your Wealth

Course fee
~~₹1999/-~~

Course fee
₹1499/-

Special
OFFER ON
Father's
DAY

Course Validity
1 YEAR

एक निवेश समझदारी से..

नई संस्करण
जी.ए फाउंडेशन
हैंडरिटन नोट्स
लॉन्च हो चुके हैं..
अभी खरीदें -
1999/-
(नियम और शर्तें लागू)
और पाएं साइंस की बुक फ्री (7 दिन तक)
भूगोल-I
भूगोल-II
इतिहास-I
इतिहास-II
अर्थव्यवस्था
भारतीय राजव्यवस्था
जनरल साइंस & टेक्नोलॉजी
Pathshala

# CALL CENTRE

## 787158882

HOW MAY I HELP YOU

AnkitInspiresIndia

Download "Apni Pathshsla" app now!

Follow us: